B.A. Part one
Paper II

By :-
Dr. Shailesh Kumar
dept. of economics
raja Singh college Siwan

14.5.20

बचत और बचत के निर्धारक :-
(Saving and determinants of Savings)

बचत व्यय-योग्य आय और उपभोग के बीच अन्तर के रूप में परिभाषित की जाती है। जब आय शून्य या बहुत कम होती है तो लोग बचत नहीं करते हैं। जब आय बढ़ती है तो बचतें भी बढ़ती हैं परन्तु आय के अनुपात में कम की दर से। बचत और आय के बीच के इस संबंध को बचत फलन भी कहते हैं।

बचत के निर्धारक :-

बचत करने की इच्छा, बचत करने की शक्ति और बचत करने की सुविधाओं पर निर्भर करती है। बचत के इन तीन निर्धारकों को हम इस प्रकार कर सकते हैं।

(A) बचत करने की इच्छा (Will to Save)

यदि किसी व्यक्ति में बचत करने की इच्छा है तो आय का एक भाग बचाया जा सकता है। यदि व्यक्ति बचत नहीं करना चाहता है तो वह कुछ भी नहीं बचा सकता। यह निम्न बातों पर निर्भर करता है।

(i) परिवार से प्रेम → परिवार के प्रति स्नेह प्यार स्वाभाविक है जो व्यक्ति से बचत करवाता है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने बच्चे और और पारिवारिक सदस्यों से कुछ स्नेह रहता है उसके जीवन को सुरक्षित और भविष्य को बेहतर बनाने के लिए वह अधिक कमाता है और अधिक बचत करता है।

(ii) सावधानी (precaution) मुद्रा की आवश्यकता भविष्य में कभी भी पड़ सकती है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति भविष्य की—

P.T.O.

Scanned by CamScanner

आकस्मिक आवश्यकताओं को आवश्यक रहने के लिए बचत करना चाहता है।

(iii) जीवन स्तर (Standard of living)
(iv) दूरदृष्टि (Farsightedness)
(v) सुविचारित दिमाग (Calculating mind)
(vi) उद्यम (enterprises)
(vii) स्वतंत्र (Independent)
(viii) सामाजिक प्रतिष्ठा (Social Status)
(ix) कृपणता (miserliness)

(B) बचत करने की शक्ति (power to save)

इसका आशय बचत करने की क्षमता से है। इसका अर्थ है कि वर्तमान आय में से उपभोग पर व्यय करने के बाद जो रकम शेष बचती है। बचत करने की उसकी इच्छा के बावजूद, एक व्यक्ति बचत नहीं कर सकता यदि उसमें बचत करने की शक्ति नहीं है। अपना उपभोग व्यय करने के बाद, यदि उसके पास अतिरिक्त मुद्रा शेष रहती है तो उसकी बचत करने की शक्ति अधिक होगी। इस प्रकार बचत करने की शक्ति आय, और उपभोग दोनों कोनों के स्तरों पर निर्भर करती है। कोई व्यक्ति तभी बचा सकता है जब उसकी आय उपभोग से अधिक हो। इसलिए किसी देश में लोगों की बचत करने की शक्ति उनकी आय या उनकी आय को प्रभावित करने वाले घटकों पर निर्भर करती है बचत करने की शक्ति को निम्न घटक निर्धारित करते हैं।

(i) आय की मात्रा (Size of national Income)

लोगों की बचत करने की शक्ति उस देश की राष्ट्रीय आय पर निर्भर करती है। यदि राष्ट्रीय आय अधिक होगी तो बचत करने की शक्ति भी होगी। भारत में कम बचत करने की शक्ति का मुख्य कारण राष्ट्रीय व आय का कम होना है। —

P.T.O

Scanned by CamScanner

(ii) प्राकृतिक संसाधन (Natural resources) आर्थिक दशाऐं व देश की आय उसके प्राकृतिक संसाधनों पर अर्थात भूमि, जल, खनिज पदार्थ, आदि पर निर्भर करता है। इन प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर उपयोग उत्पादन बढ़ाने में मदद करता है। यह आय बढ़ाता है जिससे बचत करने की शक्ति बढ़ती है।

(iii) व्यापार (Trade) घरेलू और विदेशी दोनों व्यापार आय और बचत करने की शक्ति को बढ़ाता है। आय घरेलू और विदेशी व्यापार के विकास के साथ ही बढ़ती है जो बचत करने की शक्ति को बढ़ाती है।

(iv) औद्योगिक विकास (Industrial development) औद्योगिक विकास आय में वृद्धि कर बचत की शक्ति को बढ़ाता है।

(v) कृषि विकास (agriculture development) भारत जैसे देश जहाँ कृषि मुख्य व्यवसाय है बचत करने की शक्ति कृषि के विकास पर ही निर्भर करती है।

(vi) श्रम की कुशलता (efficiency of labour) किसी देश में कुशल श्रम उसके उत्पादन को बढ़ाने में मदद पहुँचाता है जिसके फलस्वरूप आय में वृद्धि होती है।

(vii) धन और आय का वितरण (distribution of wealth & income) बचत करने की शक्ति देश में धन और आय के वितरण पर निर्भर करती है। धन और आय का असमान वितरण बचत करने की शक्ति में वृद्धि करता है।

(c) बचत करने की सुविधाऐं :— (facilities to save)

बचत केवल बचत न करने की इच्छा और उनकी शक्ति पर निर्भर करती है बल्कि वह बचत करने की सुविधाओं पर निर्भर करती है। ये सुविधाऐं निम्न है।

(i) शांति और सुरक्षा (Peace & Security) लोग तब बचत कर सकते हैं, जब उनका जीवन और संपत्ति सुरक्षित हो।

(ii) बैंकिंग सुविधाऐं (banking facilities) कुशल और विकसित बैंकिंग प्रणाली बचत करने की सुविधाऐं प्रदान करती है। यदि बचत—

P.T.O

Scanned by CamScanner

बैंकों में जमा की गई हो तो यह बचत सुरक्षित है।

(iii) कर नीति (taxation policy) कर नीति भी देश में बचत को प्रभावित करती है। प्रगतिशील कर बचत को घटाते हैं क्योंकि करों की दरें आय में वृद्धि के साथ बढ़ती है।

(iv) मुद्रा का मूल्य (Value of money) बचत करने की सुविधाओं के लिए मुद्रा के मूल्य में स्थिरता आवश्यक होती है। कीमतों में वृद्धि के साथ मुद्रा का मूल्य घटता है। लोग मुद्रा के मूल्य में गिरावट के डर से बचत कम करते हैं।

(v) निवेश के अवसर (Investment Opportunities) निवेश के अवसर बचत को प्रोत्साहित करता है। यदि व्यवसाय और व्यापार में निवेश के पर्याप्त अवसर हों तो बचत बढ़ती है।

(vi) सरकार की आर्थिक नीति (economic policy of government) बचत करने की सुविधाएं सरकार की आर्थिक नीति द्वारा भी प्रभावित होती है। यदि सरकार समाज की समाजवादी पद्धति अपनाना चाहती है तो वह विभिन्न उद्योगों का राष्ट्रीयकरण करना चाहेगी और लोगों में बचत करने की प्रवृत्ति कम होगी।

Scanned by CamScanner